शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

गुरुवार 7 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 11 | अंक : 06 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

कच्छ के क्रीक में मिली लावारिस हालत में पाकिस्तानी बोट

कच्छ। गुजरात के कच्छ जिले के तटीय इलाके में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव लावारिस हालत में मिली। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास एक क्रीक इलाके में पाई गई। प्रारंभिक जांच में नाव से मछली पकड़ने का सामान मिला है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों को अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। क्रूस्स के जवानों ने गश्त के दौरान इस नाव को देखा। इसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई और नाव को लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

हल्द्वानी दंगा केस में 2 आरोपियों की डिफॉल्ट बेल हुई रद्द

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 हल्द्वानी दंगा और आगजनी मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को मिली डिफॉल्ट बेल रद्द कर दी है। अदालत ने दोनों आरोपियों को दो हफ्ते के भीतर ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करने का आदेश दिया है। यह मामला उत्तराखंड हाईकोर्ट के जनवरी 2025 के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें जावेद सिद्दीकी और अरशद अयूब को डिफॉल्ट बेल दी गई थी। उत्तराखंड सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राज्य सरकार की अपील मंजूर करते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने जांच अधिकारी पर सवाल उठाकर गलती की है।

भुवनेश्वर के अपार्टमेंट में आग, 10 साल की बच्ची समेत 3 की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बुधवार सुबह एक रिहायशी इमारत में आग लगने से बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 4 बजे बसंती विला अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर हुआ। आग लगने के बाद बिल्डिंग में फंसे सुरक्षा गार्ड विश्वजीत बेहरा (70) और सुलता बेहरा (65) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, 10 साल की तेजस्विनी बेहरा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। विश्वजीत अपार्टमेंट में सुरक्षा गार्ड थे। घटना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

गवर्नर विजय से बोले- 118 विधायकों का समर्थन दिखाएं

टीवीके के पास 113 एमएलए ; बंगाल में 9 मई को भाजपा सरकार की शपथ

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

तमिलनाडु में 7 मई को नई सरकार के शपथ ग्रहण का मामला फंस सकता है। टीवीके चीफ विजय ने बुधवार को लोकभवन में राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सूत्रों के मुताबिक, विजय ने 113 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा है।

समर्थन पत्र में टीवीके 107 और कांग्रेस के 5 विधायकों के हस्ताक्षर हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने 118 विधायकों के समर्थन के पत्र की मांग की। इस पर विजय ने समर्थन के लिए समय मांगा।

टीवीके को बहुमत के लिए 11 विधायकों की जरूरत

विजय लेफ्ट और वीसीके जैसे छोटे दलों के भी संपर्क में हैं। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर एआईएडीएमके से भी समर्थन लिया जा सकता है। हालांकि, एआईएडीएमके में 20 विधायकों में टूट की खबर भी आ रही है। कौन-कौन सी पार्टी उन्हें समर्थन देंगी यह साफ नहीं है। टीवीके ने बुधवार को अपने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को महाबलीपुरम के चेंगलपट्टू स्थित फोर पॉइंट्स नाम के रिसॉर्ट में शिफ्ट कर दिया है।

234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके की 108 सीटें हैं, लेकिन विजय दो सीटों पर जीते हैं, इसलिए एक सीट छोड़ने पर यह 107 रह जाएंगी। कुल सीटें 233 होने पर भी बहुमत 118 ही रहेगा, इसलिए टीवीके को 11 और विधायक चाहिए। फिलहाल कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन मिला है।

उधर, पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का शपथ समारोह 9 मई को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे होगा। प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा, अब तक 4 की मौत

बंगाल में 4 मई को रिजल्ट के बाद से हिंसा शुरू हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान 4 लोगों की हत्या हुई। इनमें भाजपा और टीएमसी के 2-2 कार्यकर्ता हैं। कोलकाता के न्यू मार्केट में मंगलवार रात भीड़ ने अस्थ के पार्टी ऑफिस को बुलडोजर से गिरा दिया। उपद्रवियों ने आसपास की दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया। वहीं नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली स्थित बामनघेरी इलाके में मंगलवार रात गश्त कर रही पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमला हुआ। उपद्रवियों ने फायरिंग की, जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को टीएमसी से 32 लाख ज्यादा वोट

एसआईआर से हर सीट पर 30 हजार वोटर हटे, 176 सीटों पर इतने ही मार्जिन से जीत

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को एकतरफा जीत मिली है। भाजपा को 207 और टीएमसी को 80 सीटें मिली हैं। भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस को 2 लाख 60 हजार 13 हजार 377 वोट मिले हैं। बीजेपी को टीएमसी से 32 लाख 11 हजार 427 ज्यादा वोट मिले हैं। यानी 293 सीटों के हिसाब से भाजपा को हर सीट पर औसत 10,960 वोट ज्यादा मिले।

राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) से कुल 91 लाख वोट कटे। यानी हर सीट पर औसतन 30 हजार वोटरों के नाम काटे गए। कुल 293 सीटों में से 176 पर जीत का अंतर 30 हजार से कम और 117 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा। ऐसे में टीएमसी अब चुनाव नतीजों को कोर्ट में चुनौती दे सकती है।

भाजपा ने 128 सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं

बंगाल में 30 हजार से कम मार्जिन पर जीत वाली 176 सीटों में भाजपा की 128 सीटें हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा मार्जिन पर जीत वाली 117 सीटों में भाजपा की 79 सीटें हैं। तृणमूल की 44 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम और 36 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा है।

2021 में भाजपा की 77 में से 72 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम था। प्रतिशत में देखें तो भाजपा ने इस बार 62% सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं, जबकि 2021 में ऐसी 93.5% थीं। साल 2021 में 121 सीटों पर तृणमूल की जीत का अंतर 30 हजार से कम था और 94 पर 30 हजार से ज्यादा। यानी बहुमत वाले दल के लिए ये आंकड़े ट्रेंड दर्शाते हैं।

वोटों की संख्या जीत के अंतर से कम पर दखल नहीं देंगे: एससी

एसआईआर को लेकर ममता सरकार की याचिका पर हाल में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर हटाए गए वोटों की संख्या जीत के अंतर से कम है, तो कोर्ट दखल नहीं देगा। क्योंकि उन वोटों के होने या न होने से रिजल्ट पर असर नहीं पड़ता।' कोर्ट ने कहा कि दखल तब देंगे जब यह दिखाया जा सके कि हटाए गए वोट इतने अधिक थे कि वे जीत-हार के अंतर को बदल सकते थे। इस उदाहरण से आसानी से समझिए... मान लीजिए विजेता को 1 लाख वोट मिले और निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 95 हजार वोट तो मार्जिन हुआ 5 हजार वोट। अगर हटाए गए वोट 5 हजार से कम हैं तो असर नहीं। लेकिन ज्यादा हैं तो नतीजों पर असर संभव।

आर्मी कैंप- बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर आईईडी ब्लास्ट

पंजाब डीजीपी बोले- टाइमर-रिमोट से किए, पाक का हाथ ; सीएम मान बोले- बीजेपी ने कराए

राष्ट्रबाण | जालंधर | एजेंसी | rashtrabaan.in

जालंधर में बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर मंगलवार रात धमाका हुआ। इसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के इस्तेमाल की बात कही जा रही है। गनीमत रही कि धमाके में किसी को चोट नहीं लगी। इस ब्लास्ट का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, अमृतसर में आर्मी कैंप के भीतर भी ग्रेनेड अटैक की कोशिश की गई, लेकिन वह दीवार पर टकराकर फट गया।

डीजीपी गौरव यादव ने अमृतसर पहुंचकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने माना कि जालंधर व अमृतसर में आईईडी ब्लास्ट हुए। कहा कि जालंधर में संभव है कि टाइमर या रिमोट से ब्लास्ट किया गया हो। इसमें पाकिस्तान खुफिया एजेंसियों का हाथ है। ऑपरेशन सिंदूर की एनिवर्सरी की वजह से धमाके कराए गए हो सकते हैं। डीजीपी अब जालंधर पहुंचे हैं। वहीं, श्री आनंदपुर साहिब से शुक्राना यात्रा के दौरान पंजाब ष्टरूभगवंत मान ने कहा कि ये ब्लास्ट भाजपा के इलेक्शन की तैयारी हैं। भाजपा छोटे-मोटे ब्लास्ट करवाकर लोगों को डराकर वोट लेना चाहती है। यह भाजपा का स्टाइल है। चुनाव वाले स्टेट में ब्लास्ट और दंगे करवा दो। इसी बीच जालंधर, आप लीडरशिप ने पुष्टि की है कि सीएम ने अपना जालंधर दौरा टाल दिया है।

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना ; जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

कानून में बदलाव और सजा का प्रावधान

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है। संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे।

सरकार ने जारी की गाइड लाइन

केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की। गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए। इनमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से हाईवे डूबा

यूपी के गाजियाबाद में ओले गिरे, मप्र-बिहार में बारिश ; राजस्थान में तापमान 40 डिग्री से नीचे

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को भारी बारिश हुई। इससे कांकेर के चारामा में नेशनल हाईवे-30 पर घुटनों तक पानी भर गया। मनेंद्रगढ़ के जनकपुर में बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। पेंड्रा में आंधी से कई पेड़ टूटकर गिर गए।

यूपी के गाजियाबाद में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश के कारण पूरे यूपी में अधिकतम तापमान 40डिग्री से नीचे आ गया है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजस्थान में बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी सभी शहरों में तापमान 40डिग्री से नीचे रहा। इधर, बिहार और मध्य प्रदेश में भी बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे में 89.7 रूरू बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से 182% अधिक है। राज्य में 7 मई तक आंधी-बारिश जारी रहेगी। मप्र के 28 जिलों में बुधवार को तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 37 होगी

कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंजूरी दी, संसद के अगले सत्र में बिल पेश होगा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत 33 जजों की तय संख्या है। सरकार इसमें चार नए जज जोड़ना चाहती है। इसके लिए संसद के अगले सत्र में बिल लाया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद 1956 के कानून में संशोधन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद के पास है। कानून लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम नए जजों के नाम सरकार को भेजेगा।

सुप्रीम कोर्ट में अभी 2 पद खाली: फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में दो पद खाली हैं। जस्टिस बी.आर. गवई नवंबर 2025 में और जस्टिस राजेश बिंदल अप्रैल 2026 में रिटायर हुए थे।

आने वाले महीनों में सुप्रीम कोर्ट में तीन और पद खाली होने वाले हैं। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस पंकज मित्तल जून 2026 में रिटायर होंगे, जबकि जस्टिस संजय करोल अगस्त 2026 में सेवानिवृत्त होंगे। संविधान के अनुच्छेद 124(3) के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट का जज वही बन सकता है जो भारतीय नागरिक हो।

2019 में आखिरी बार बढ़ी थी संख्या

इससे पहले 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 की गई थी। वहीं, 2008 में जजों की संख्या 26 से बढ़कर 31 हुई थी। शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस के अलावा सिर्फ 10 जजों की व्यवस्था थी।

14 शर्तों का समझौता तैयार, अमेरिका ईरानी प्रॉपर्टी लौटाएगा ; ईरान होर्मुज खोलेगा

रिपोर्ट- ईरान जंग 48 घंटे में खत्म हो सकती है

राष्ट्रबाण | तेल अवीव | एजेंसी | rashtrabaan.in

अमेरिका और ईरान में युद्ध खत्म करने और परमाणु बातचीत का रास्ता तय करने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान 48 घंटे के भीतर सीजफायर को लेकर सहमति दे सकता है। दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता तैयार है। हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत पहले से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है।

ड्राफ्ट के मुताबिक, ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम को कुछ समय के लिए रोक सकता है। बदले में अमेरिका धीरे-धीरे प्रतिबंध कम करेगा और ईरान के जब्त किए हुए अरबों डॉलर जारी कर सकता है। साथ ही, होर्मुज में दोनों तरफ से लगाई गई पाबंदियों में भी ढील दी जाएगी। हालांकि सबसे बड़ा विवाद न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने की अवधि को लेकर है। ईरान 5 साल का प्रस्ताव दे चुका है, जबकि अमेरिका 20 साल चाहता था। अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश हो रही है, जिसमें 12 से 15 साल तक की अवधि पर बात चल रही है।

समझौते की अहम शर्तें

सबसे पहले युद्ध खत्म करने की घोषणा होगी
30 दिनों तक दोनों देशों की विस्तृत बातचीत होगी
इसमें होर्मुज, परमाणु कार्यक्रम, अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील जैसे मुद्दे होंगे
दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए इस्लामाबाद या फिर जिनेवा जैसे शहरों पर विचार हो रहा है।

ट्रम्प की ईरान को चेतावनी- समझौता मानो, नहीं तो बमबारी होगी: ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वो समझौते की बात मान लेता है, तो लड़ाई खत्म हो जाएगी और होर्मुज स्ट्रेट सभी देशों के लिए खोल दिया जाएगा। लेकिन अगर ईरान नहीं मानता, तो अमेरिका फिर से हमला शुरू करेगा। ट्रम्प ने कहा कि इस बार हमले पहले से ज्यादा बड़े और तेज होंगे।

ईरान बोला- जहाज अब होर्मुज से सुरक्षित गुजरेंगे

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से अब जहाजों का आना-जाना सुरक्षित रहेगा। आईआरजीसी की नौसेना ने जहाजों के मालिकों और कप्तानों को धन्यवाद दिया है। उनका कहना है कि लोगों ने ईरान के नए नियमों का पालन किया।

बंगाल में भाजपा सरकार, बांग्लादेश को नागरिकों की वापसी का डर

बांग्लादेशी मंत्री बोले- उम्मीद है जबरन नहीं भेजा जाएगा, बॉर्डर फोर्स अलर्ट पर

राष्ट्रबाण | ढाका | एजेंसी | rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद बांग्लादेश सरकार को आशंका है कि उसके लोगों को जबरन भारत से निकाला जा सकता है। अब इसे लेकर बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा उम्मीद है कि भारत से लोगों को जबरन सीमा पार भेजने यानी 'पुशबैक' की घटनाएं नहीं बढ़ेंगी। सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि वे नहीं चाहते कि किसी को अवैध प्रवासी बताकर भारत से बांग्लादेश की तरफ धकेला जाए। इसी के मद्देनजर बांग्लादेश की बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है।

इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने भी कहा था कि अगर ऐसे मामले होते हैं, तो बांग्लादेश कार्रवाई करेगा। पुशबैक का मतलब किसी व्यक्ति को जबरन सीमा पार भेज देना। पिछले कुछ सालों में भारत और बांग्लादेश की सीमा पर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। दरअसल बंगाल चुनाव के दौरान बीजेपी ने ममता बनर्जी की सरकार पर आरोप लगाया था उसने बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों को शरण दी है।

बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी के नेता ने बीजेपी को बधाई दी= उधर बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी बीएनपी के सूचना सचिव अजीजुल बारी हेलाल ने बीजेपी को जीत की बधाई दी।

काम करते वक्त होती है आंखों में थकान, तो इस योग को करने से मिलेगा आराम

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है।

दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लैपटाप पर काम करते-करते आंखों में दर्द , जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। खासतौर से वर्कफ्रॉम होम के चलते लोगों को इस सामस्या का सामना ज्यादा करना पड़ रहा है। वैसे कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं –

स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें खुली रख सकते हैं , लेकिन बंद रखेंगे तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।
- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शेप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसल्स को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें ।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।

इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और स्किन भी डैमेज नहीं होगी।

डायबिटीज की बीमारी मुंह को कर सकती है खराब इग्नोर न करें ये संकेत

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिसीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। वैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरूआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिडचिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरूआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यासा महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोधों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत दोगुना टूटते हैं। वद्धावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो , तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनार कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। गले में खराश, मसूड़ों में खून आना, संवेदनशील दांत, सांस की दुर्गंध, मुंह में खराब स्वाद आना मसूड़ों की बीमारी के लक्षण देखे गए हैं।

आयुर्वेद में बताए हैं बरगद के फल के फायदे

हमारे देश में ऐसा शायद ही कोई शख्स होगा जिसे बनयान ट्री यानी बरगद के पेड़ के बारे में पता न हो। आपने अपने घरों के आसपास इस विशालकाय पेड़ को देखा होगा। इस पेड़ की पूजा उत्तर भारत के कई राज्यों में की जाती है। आमतौर पर हमने देखा है कि इस पेड़ के नीचे सैकड़ों बरगद के फल गिरते हैं और लेटने पर सड़ जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह फल हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है? बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

कोरोना काल में हर कोई अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नए-नए तरीके आजमा रहा है, उनमें से एक बरगद का फल भी है। ये फल भी एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है।

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ. शरद कुलकर्णी ख्रट्ट(इभफ),(घ्द्धक़) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

बार-बार पेशाब आने का इलाज

बरगद के फलों के बीजों को बारीक पीसकर पेस्ट बना लें। इसे 1 या 2 ग्राम की मात्रा में सुबह गाय के दूध के साथ सेवन करें। इससे बार-बार पेशाब आने की समस्या दूर हो जाती है।

पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदबू का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सडने़ लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवे की त्वचा सडने़ लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है।

जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है।

धुले हुए मोजे पहनें

पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढने़ लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्टेड करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिटर्जेंट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रैशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखें हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो।

पैरों तक हवा पहुंचनी जरूरी, सप्ताह में एक दिन पहनें चप्पल या सैंडल

त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें। इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें।

सही रहे ब्लडप्रेशर जरूरी है साइज से बड़ा मोजा

टाइट जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइट मोजे बॉडी हीट को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों

को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें। मोजे बस इतने टाइट होने चाहिए, जिससे स्किन पर निशान न पड़ें। अगर मोजे से स्किन पर निशान पड़ता है तो इसका मतलब है कि आपको इससे बड़े साइज के मोजे लेने की जरूरत है।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

वजन घटाने में कैसे मदद करता है दूध

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे –

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 7 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

बालाघाट में तेज बारिश से गेहूं खरीदी प्रभावित:50 किमी की रफ्तार से हवाएं चली

प्रशासन ने तिरपाल से ढका खुले में रखा अनाज

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में बुधवार दोपहर मौसम का मिजाज अचानक बदला। दोपहर करीब 3:30 बजे से 4:30 बजे तक हुई झमाझम बारिश और तेज हवाओं ने जहां भीषण गर्मी से राहत दी, वहीं खरीदी केंद्रों पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी। पिछले तीन दिनों में जिले में दूसरी बार वर्षा दर्ज की गई है। वहीं हवाओं ने कई प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी।

खरीदी केंद्रों पर सतर्कता, भीगने से बचा गेहूं

अचानक हुई बारिश के बावजूद जिला आपूर्ति अधिकारी ने किसी भी केंद्र पर गेहूं खराब होने से इनकार किया है। मौसम विभाग की पूर्व चेतावनी को देखते हुए सभी केंद्र प्रभारियों को सुरक्षा निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए थे। इसके पालन में खुले में रखे गेहूं को समय रहते तिरपालों से ढक दिया गया था, जिससे अनाज सुरक्षित रहा।

50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी

कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम विशेषज्ञ धर्मेंद्र अगासे ने बताया कि वर्तमान मौसम प्रणाली के कारण बिजली कड़कने और करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मध्यम दर्जे के तूफान की स्थिति बनी। विभाग ने आगामी कुछ दिनों तक मौसम में इसी तरह के बदलाव और अस्थिरता बने रहने की संभावना जताई है।

जिले में अब तक 1338.3 मिमी वर्षा दर्ज

भू-अभिलेख अधिकारी कृष्णा नायक के अनुसार, 1 जून से अब तक जिले में कुल 1338.3 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है। बुधवार को हुई बारिश से पूर्व परसवाड़ा में 1.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज थी। आज हुई झमाझम बारिश के सटीक आंकड़े जुटाए जा रहे हैं।

नामांकन का लक्ष्य एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से पूर्ण करें: कलेक्टर

कलेक्टर ने की शिक्षा संबंधी योजनाओं की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर मृणाल मीना ने 06 मई को जिले के सभी विकासखंड के बीआरसी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर शिक्षा संबंधी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन भी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के संबंध में बताया गया कि जिले के 30 हजार 500 असाक्षर लोगो को साक्षर बनाने के लिए 14 अप्रैल 2026 को मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस परीक्षा में 26 हजार 696 असाक्षर शामिल हुए थे। इनमें से 25 हजार 880 की ऑनलाईन एंट्री कर ली गई है। असाक्षरों को साक्षर करने के लिए जिले में 04 हजार वालियंटियर द्वारा सेवाएं दी जा रही है। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए वालियंटियर्स के कार्य पर निगरानी रखे और उन्हें शासन द्वारा उपलब्ध करायी गई पुस्तके प्रदाय करें।

नामांकन में धीमी प्रगति पर सख्ती, साइकिल वितरण की ऑनलाइन एंट्री अनिवार्य

बैठक में कक्षा 01 से 08 एवं कक्षा 09 से 12 तक छात्र छात्राओं के नामांकन की समीक्षा की गई। जिसमें पाया गया कि विकासखंड खैरलांजी, बैहर, वारासिवनी, बिरसा की प्रगति संतोषजनक नही पायी गई। कक्षा 09 से 12 में छात्र छात्राओं का पंजीयन 102 प्रतिशत होना बताया गया। कलेक्टर श्री मीना ने सभी बीआरसी को सख्त निर्देश दिये कि एक सप्ताह के भीतर सभी शालाओं में शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन पूर्ण हो जाना चाहिए। जिस विकासखंड में नामांकन का लक्ष्य पूर्ण नही होगा वहॉ के बीआरसी एवं बीईओ के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक मे सभी बीआरसी एवं बीईओ को निर्देशित किया गया कि छात्र छात्राओं को निःशुल्क साईकिल वितरण करने के साथ ही उसकी पोर्टल पर एंट्री की जाए।

एफएलएन सर्वे पर रहे विशेष फोकस

वर्ष 2026-27 में कक्षा 01 से 08 तक दर्ज विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी बीआरसी एवं बीईओ को सख्त निर्देश दिये कि सभी बच्चों को पाठ्य पुस्तक वितरण के साथ ही उसकी ऑनलाईन एंट्री अनिवार्य रूप से की जाए। विकासखंड बिरसा, कटंगी, लालबर्रा, परसवाडा एवं वारासिवनी में पाठ्यपुस्तक वितरण में कम प्रगति पाये जाने पर इसमें शीघ्रता से सुधार करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने कक्षा 01 से 04 के बच्चों के एफएलएन सर्वे के लिए बच्चों को अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध कराने और बच्चों का शैक्षणिक स्तर बेहतर बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पिछले एफएलएन सर्वे में जिले की स्थिति संतोषजनक नही पायी गई है। कुछ शालाओं में बच्चों का गिनती एवं हिन्दी भाषा का ज्ञान बहुत कमजोर पाया गया है अतः जिले की सभी शालाओं में एफएलएन सर्वे पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन शालाओं में बच्चों का शैक्षणिक स्तर कमजोर पाया गया वहां के शिक्षकों का कार्यवाही का प्रस्ताव जिला कार्यालय को भेजे।

जीर्ण-शीर्ण शाला भवनों का वर्षा के पहले सुधार कार्य कर ले

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि उनके क्षेत्र में यदि कोई शाला भवन जीर्णशीर्ण है या उसमें मरम्मत या सुधार कार्य कराया जाना है तो इसके लिए राशि की मांग कर ले। जिला प्रशासन डीएमएफ या अन्य मद से इस कार्य के लिए राशि उपलब्ध करायेगा। जो कार्य स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत से कराये जा सकते है उन्हें सरपंच सचिव से समन्वय कर करा लिया जाए। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में मरम्मत के लिए शासन से राशि उपलब्ध करायी जा रही है। वर्षा के दिनों में जिले में कही से भी शाला भवन में पानी टपकने या उसके टूटे-फूटे होने की शिकायत प्राप्त होगी।

एमपीडब्ल्यूएलसी बिरसोला में बुधवार से शुरू हुई चना खरीदी

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

विकासखंड अंतर्गत रबी विपणन वर्ष 2026 - 27 के लिए तीन खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें से सहकारी समिति लालबर्रा द्वारा मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन के लालबर्रा स्थित भंडार गृह में गेहूं की खरीदी की जा रही है। वहीं सेवा सहकारी समिति मांझापुर और मिरेगांव द्वारा चने की खरीदी प्रारंभ की गई है, विदित हो कि सहकारी समिति मिरेगांव द्वारा 23 अप्रैल से कृषि उपज मंडी लालबर्रा (बकोड़ा)के प्रांगण में चना की खरीदी प्रारंभ की गई थी जिनके द्वारा 6 मई तक 2000 क्विंटल चना खरीदा जा चुका है, जिसका परिवहन एमपीडब्ल्यूएलसी बिरसोला भंडार गृह में किया जा रहा है। पूरा परिवहन होने पर मिरेगांव समिति द्वारा क्षेत्रीय किसानों से बिरसोला में ही खरीदी की जाएगी। इसी तरह सहकारी समिति मांझापुर द्वारा भी 6 मई बुधवार को एमपीडब्ल्यूएलसी शाखा बिरसोला में विधिवत पूजा -अर्चना कर चना की खरीदी प्रारंभ की गई है जो आगामी 30 मई तक निरंतर जारी रहेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए मांझापुर समिति प्रबंधक एल पी सोनगड़े ने बताया कि क्षेत्र के समस्त किसान अपना स्लॉट बुक करा कर चना और मसूर की फसल निर्धारित समर्थन मूल्य पर बेच सकते हैं। चना का समर्थन मूल्य 5875 रुपये और मसूर का समर्थन मूल्य 7000 रुपये शासन द्वारा निर्धारित किया गया है । इसी तरह लालबर्रा सहकारी समिति प्रबंधक सुरेश बोपचे व खरीदी प्रभारी अतुल ठाकरे ने बताया कि एमपीडब्ल्यूएलसी के स्थानीय भंडार गृह में 265 किसानों से 6000 क्विंटल से अधिक गेहूं की खरीदी समर्थन मूल्य 2585 व राज्य सरकार से 40 रूपये बोनस कुल 2625 रुपये पर की जा चुकी है। वहीं किसानों के लिए पीने का पानी और धूप से बचने के लिए पंडाल की व्यवस्था की गई है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो सके। यह खरीदी 23 मई तक जारी रहेगी।

मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स कार्पोरेशन लालबर्रा गेहूं खरीदी केंद्र

समनापुर में जल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण

बालाघाट। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत समनापुर, विकासखंड बालाघाट में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (क्क्ऌश्व) द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए जल गुणवत्ता जांच प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में समनापुर एवं लामता सेक्टर की 62 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। ब्लॉक समन्वयक फनीश रंगारे, रानी सिंह राजपूत, श्रुति डहाटे एवं मोहिनी पटले द्वारा दिए गए प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्टिंग किट के उपयोग की जानकारी दी गई। सभी प्रतिभागियों की एफटीके यूज़र आईडी भी बनाई गई।प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी एवं स्कूलों से लाए गए पानी के नमूनों की मौके पर ही जांच कराई गई। कार्यकर्ताओं को श्च॥ मान, फ्लोराइड, आयरन एवं पानी की कठोरता जैसे महत्वपूर्ण मानकों की जांच करना सिखाया गया। इस दौरान ब्लॉक समन्वयक रानी सिंह राजपूत ने निर्देश दिए।

बाइक के साथ अर्धनग्न हालत में मिली वेल्डर की लाश

शादी में जाने का कह निकला था घर से, प्रेम-प्रसंग में मर्डर की आशंका

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के रामपायली थाना क्षेत्र के मुरझड़ में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। चिखला और हिरवाटोला के बीच सड़क किनारे अर्धनग्न अवस्था में मिले शव के पास एक मोटरसाइकिल भी पड़ी थी। युवक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।

मृतक की पहचान तरूण पिता टोपसिंह लिल्हारे (23) के रूप में हुई है। तरूण वेल्डिंग का काम करता था। वह 5 मई की शाम को अपने परिजनों को एक शादी में जाने की बात कहकर घर से निकला था। आज परिजनों को सड़क किनारे झाड़ियों में उसका शव मिलने की सूचना मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तरूण के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बालाघाट से एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया। टीम ने आसपास के क्षेत्र को कवर कर बारीकी से जांच की। पुलिस का मानना है कि हत्या को दुर्घटना दिखाने का प्रयास किया गया है। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि युवक घर से शादी में जाने की बात कहकर निकला था। आज उसका शव मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह का पता चल पाएगा।

फ्लेक्स के साथ उतरी सरपंच अनीस खान की गर्मी

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढ़रवानी (लालबर्रा) में सरपंच ग्राम पंचायत के खजाने का उपयोग खुद की ब्रांडिंग नगर में अपना चेहरा चमकाने के लिए करता रहता है। जो आए दिन किसी न किसी त्यौहार व आयोजन प्रयोजन को लेकर बिना शासकीय योजना प्रचार प्रसार के अलावा खुद के व राजनीतिक चेहरों के पोस्टर बैनर व होर्डिंग्स से खम्बो व सार्वजनिक स्थान पाट देता है।

जिसका नगर सहित क्षेत्र की जनता ने जगह-जगह चर्चा कर विरोध भी जताया है। ग्राम वासियों का कहना है कि सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के बजाय सरपंच अपना चेहरा चमका कर अपना महिमामंडन चमका कर अपना गुणगान करने में लगा रहता है। जिस पर एक्शन लेने जिम्मेदार प्रशासन भी अनदेखी कर रहा था, जो कि लापरवाह सिस्टम की कार्यप्रणाली को उजागर करता है। सरपंच के चेहरे वाले पोस्टर बैनर होर्डिंग्स को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश था। वहीं इस मामले को लेकर जागरूक जनपद सदस्य हरिशंकर बनवारी (मुन्ना बनवाले) सहित अन्य लोगों ने मध्यप्रदेश शासन की जन हितैषी सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई। जिस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए जिला सीईओ व जनपद सीईओ ने पांढ़रवानी सरपंच के फ्लेक्स बैनर होर्डिंग्स उतरवाने एक टीम गठित की। जिसमें जनपद पंचायत कार्यालय लालबर्रा से खिलेन्द्र सोनवंशी खंड पंचायत अधिकारी के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत पांढ़रवानी लालबर्रा के रोजगार सहायक व प्रभारी सचिव कृष्णा पंचेश्वर व अन्य लोगों के द्वारा पांढ़रवानी पंचायत के सरपंच के फ्लेक्स बिजली के खम्बो व अन्य सभी सार्वजनिक स्थलों पर लगे फ्लेक्स बैनर 6 मई बुधवार को उतारे गए। इस कार्रवाई को देख लालबर्रा के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है, लालबर्रा सहित पास पड़ोस के ग्रामीणों ने जिम्मेदार प्रशासन का इस कार्रवाई पर हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

वहीं देखने में आ रहा है कि विगत दो-चार दिनों से अपराह्न के बाद मौसम का मिजाज बदल जाता है और आंधी तूफान के साथ बारिश होती है जिससे मौसम ठंडा हो गया है। जिससे आम जनमानस को गर्मी से राहत मिल रही है। तो इसी तरह बड़ बोले और मगरूर सरपंच के होर्डिंग्स उतरते ही उनकी गर्मी भी उतर गई है और माना जा रहा है कि अब उनका दिमाग ठंडा हो गया होगा।

खबर का असर

जनता की गाढ़ी कमाई पर सरपंच की 'चमक', पांढ़रवानी (लालबर्रा) में सरकारी धन का दुरुपयोग

अनीश खान, सरपंच : फ्लेक्स के साथ उतरी सरपंच की गर्मी।

रेवाड़ा में भ्रष्टाचार का अजूबा, स्कूल में पेपर दे रहा था छात्र

स्कूली छात्र का पंचायत में मास्टर रोल भर रहे थे सरपंच!

मंडला | संवाददाता
rashtrabaan.in

इसे सिस्टम की जादूगरी कहें या सफेदपोशों की बेशर्मी? मंडला जिले की ग्राम पंचायत रेवाड़ा में भ्रष्टाचार का एक ऐसा अजूबा सामने आया है, जिसे सुनकर जिले के आला अधिकारी भी दंग रह जायेंगे हैं। यहाँ एक छात्र एक ही समय पर दो अलग-अलग जगहों पर मौजूद था। छात्र परीक्षा केंद्र में कलम भी चला रहा था और पंचायत के कागजों में फावड़ा चलाकर मजदूरी भी कर रहा था! .ग्राम पंचायत रेवाड़ा के तात्कालिक सरपंच और वर्तमान पंच की जुगलबंदी ने मिलकर न केवल शासन की आँखों में धूल झोंकी, बल्कि एक स्कूली छात्र के नाम पर फर्जी हाजिरी लगाकर सरकारी खजाने में सेंध लगा दी।

मामला वर्ष 2022 का है, जिसने अब तूल पकड़ लिया है। ग्राम पंचायत रेवाड़ा के तात्कालिक सरपंच और वर्तमान पंच ने मिलकर अजीत कुमार धुर्वे (पिता भादू लाल धुर्वे) नाम के एक छात्र को अपना शिकार बनाया। अजीत कुमार उस समय कक्षा 11वीं (कला संकाय) का छात्र था।

मंडला में भ्रष्टाचार का यह मॉडल बताता है कि कैसे निचले स्तर पर सरकारी योजनाओं को दीमक की तरह चाटा जा रहा है। अगर एक स्कूली छात्र के नाम पर फर्जी हाजिरी लगाकर पैसे निकाले जा सकते हैं, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि अन्य निर्माण कार्यों की क्या स्थिति होगी। प्रशासन को चाहिए कि वह केवल जाँच का आश्वासन न दे, बल्कि ऐसी नजीर पेश करे कि भविष्य में कोई सरपंच या पंच सरकारी पैसे को अपनी जागीर समझने की भूल न करे। अब सवाल यह है कि क्या जिला कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत इस 'सुपरमैन छात्र' के कारनामे के पीछे छिपे असली गुनहगारों पर कार्रवाई करेंगे या फिर भ्रष्टाचार की इस फाइल को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

हैरान करने वाले साक्ष्य

तारीख 03 अप्रैल से 08 अप्रैल को छात्र परीक्षा केंद्र में अपनी वार्षिक परीक्षा दे रहा था, लेकिन पंचायत के रिकॉर्ड के अनुसार वह मनरेगा के तहत पसीना बहा रहा था। तो 10 अप्रैल से 15 अप्रैल तक छात्र स्कूल में उपस्थित था, लेकिन कागजों में उसे विधायक निधि से बनने वाले हनुमान मंदिर निर्माण कार्य में मजदूरी करते दिखाया गया। एक ही व्यक्ति एक ही समय में परीक्षा भी दे और मजदूरी भी करे, यह सिर्फ मंडला की ग्राम पंचायतों के भ्रष्टाचार वाले अजूबे में ही संभव है।

साहब! कागजों पर धनलक्ष्मी की बरसात, धरातल पर धोखाधड़ी

रेवाड़ा पंचायत अब भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह तो सिर्फ एक बानगी है। तात्कालिक सरपंच और पंच की इस जोड़ी ने मिलकर पंचायत में कई फर्जी निर्माण कार्य दिखाए और फर्जी मजदूरों के नाम पर राशि का आहरण किया। शासन को लाखों की आर्थिक क्षति पहुँचाने वाले ये जिम्मेदार आज भी बेखौफ घूम रहे हैं। मंडला जिला, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, अब ऐसे प्रशासनिक और पंचायत स्तर के घोटालों के कारण चर्चा में है।

साक्ष्यों की पोटली तैयार, अब कार्रवाई का इंतज़ार

शिकायतकर्ता के पास इस पूरे फर्जीवाड़े के पुख्ता प्रमाण मौजूद हैं। स्कूल की अटेंडेंस शीट और परीक्षा केंद्र की उपस्थिति के साथ-साथ पंचायत के भुगतान वाउचर चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि सरकारी राशि का गबन किया गया है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर चर्चा हो रही है कि शिक्षा के मंदिर से जुड़े एक छात्र के नाम का इस्तेमाल भ्रष्टाचार की ढाल के रूप में किया गया।

बालाघाट में बैटरी-पट्टा चोर गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

बाइक से रैकी कर चुराते थे सामान, दो नाबालिग भी शामिल

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में ट्रैक्टर और डंपर वाहनों से बैटरी तथा डाबर पट्टे चोरी करने वाले एक गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें दो नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 बैटरी, 6 डाबर पट्टे और एक चार पहिया वाहन बरामद किया है।

यह कार्रवाई ग्रामीण, लालबर्रा और वारासिवनी थाना क्षेत्रों में हुई है। इन थाना क्षेत्रों के तुमड़ीटोला, मगदर्रा, बोंगाटोला, खोगाटोला, बेलगांव सहित अन्य ग्रामीण इलाकों से ट्रैक्टर और डंपर वाहनों से रात के अंधेरे में खुले स्थानों से बैटरी और डाबर पट्टे चोरी होने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस ने इन मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने विभिन्न थाना क्षेत्रों में बैटरी और पट्टे चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने लालबर्रा थाना अंतर्गत बेहरई निवासी निलेश पिता सुनील खरोले (22) को न्यायालय में पेश किया है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 7 मई 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

■ बरघाट ■ छपारा ■ धनोरा ■ घंसौर ■ केवलारी ■ कुरई ■ लखनादौन ■ सिवनी ग्रामीण

सिस्टम की 'सुस्ती' और मौसम की बेरुखी के बीच फंसा अन्नदाता

● सिवनी के नरेला केंद्र पर 2 किमी लंबी कतार ● 800 ट्रैक्टरों की लाइन! गेंहू बेचने को तरसते किसान

● दो किलो मीटर में आठ सौ ट्रैक्टर और ट्राली के साथ अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर किसान।

देश का पेट भरने वाला किसान आज खुद बेबस है। यह जुमला नहीं, बल्कि सिवनी जिले के नरेला स्थित एसएमडीआर ग्रामीण भंडारण केंद्र की कड़वी हकीकत है। यहाँ कागजों पर तो गेंहू खरीदी की चमक-धमक दिखाई दे रही है, लेकिन धरातल पर अव्यवस्था का अंबार है। 800 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की अंतहीन कतार, हमालों की कमी और अधिकारियों की बेपरवाही ने किसानों की कमर तोड़ दी है। एक तरफ बिगड़ता मौसम है, तो दूसरी तरफ प्रशासन का ठंडा रवैया। आखिर अपनी ही फसल बेचने के लिए किसान पांच-छह दिनों तक सड़कों पर क्यों खड़ा है?

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

नरेला के खरीदी केंद्र की तस्वीरें प्रशासन के दावों की पोल खोलने के लिए काफी हैं। केंद्र के बाहर लगभग दो किलोमीटर लंबी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लाइन लगी हुई है। किसान भीषण गर्मी और अब बदलते मौसम के बीच खुले आसमान के नीचे रातें गुजारने को मजबूर हैं। जानकारी के मुताबिक, लगभग 800 ट्रैक्टर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। किसान कहते हैं कि उन्होंने घर-परिवार छोड़कर यहाँ डेरा डाल रखा है, लेकिन केंद्र की कछुआ चाल खत्म होने का नाम नहीं ले रही।

केंद्र पर अव्यवस्था का सबसे बड़ा कारण हमालों की भारी कमी बताया जा रहा है। तुलाई और लोडिंग की गति इतनी धीमी है कि एक ट्रॉली खाली होने में घंटों लग रहे हैं। किसानों का सीधा आरोप है कि केंद्र प्रभारी और कर्मचारी अपनी मर्जी के मालिक हैं। वे समय पर केंद्र नहीं आते, जिससे काम और भी पिछड़ जाता है। जब अन्नदाता अपनी व्यथा लेकर जिम्मेदारों के पास जाता है, तो उसे सिर्फ कोरे आश्वासन मिलते हैं।

नरेला के एसएमडीआर ग्रामीण भंडारण केंद्र की यह स्थिति किसानो के माथे पर चिंता की लकीरे गहरी कर दी है, सिस्टम की यह लापरवाही उस सड़ांध का प्रतीक है जहाँ किसान को हमेशा अंतिम पायदान पर रखा जाता है। सरकार और उच्चाधिकारियों को तत्काल इस मामले को संज्ञान में लेना चाहिए। अतिरिक्त हमालों की व्यवस्था, केंद्र प्रभारियों की जवाबदेही तय करना और बारिश से बचाव के इंतजाम करना अनिवार्य है। अगर वक्त रहते व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं की गई, तो यह अव्यवस्था किसी बड़े जन-आक्रोश का रूप ले सकती है।

मौसम की मार, 'भीग गई फसल तो कौन देगा हिसाब?'

किसानों की सबसे बड़ी चिंता बदलता मौसम है। आसमान में छाए काले बादल किसानों की धड़कनें बढ़ा रहे हैं। पसीने से सींची गई फसल अगर एक भी बारिश की भेंट चढ़ गई, तो उसकी चमक फीकी पड़ जाएगी और सरकारी मापदंडों के अनुसार उसे रिजेक्ट कर दिया जाएगा। किसानों का कहना है, हम यहाँ अपनी उपज बचाने आए हैं या गवाने? अगर बारिश हुई तो हमारी साल भर की मेहनत मिट्टी में मिल जाएगी, और इसका जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ प्रशासन होगा।

रामकुमार बघेल,
खरीदी प्रभारी : सब चंगा सी।

प्रभारी का ऑल इज वेल और किसानों का दर्द

हैरानी की बात यह है कि जहाँ किसान अपनी बर्बादी का मंजर देख रहे हैं, वहीं खरीदी केंद्र प्रभारी रामकुमार बघेल का नजरिया बिलकुल जुदा है। प्रभारी का दावा है कि केंद्र पर पर्याप्त कर्मचारी तैनात हैं और व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं। अब सवाल यह उठता है कि अगर व्यवस्थाएं 'दुरुस्त' हैं, तो फिर 2 किलोमीटर लंबी कतार क्यों? अगर कर्मचारी 'पर्याप्त' हैं, तो किसान 6 दिन से क्यों तड़प रहा है? यह विरोधाभास सीधे तौर पर भ्रष्टाचार या चरम लापरवाही की ओर इशारा करता है।

नेहा मीणा, जिला कलेक्टर
नरेला खरीदी केंद्र का औचक निरिक्षण करो साहब, दावों की पोल खुल जाएगी।

प्रशासनिक कुंभकर्णी नींद और सरकार से उम्मीद

यह स्थिति दर्शाती है कि जिला प्रशासन और खाद्य विभाग के बीच समन्वय की भारी कमी है। मुख्यमंत्री और सरकार मंचों से किसान हितैषी होने का दम भरते हैं, लेकिन नरेला जैसे केंद्रों की जमीनी हकीकत उन दावों को तार-तार कर रही है। क्या प्रशासन किसी बड़े आंदोलन या किसान के सब्र के बांध टूटने का इंतजार कर रहा है?

नरेला खरीदी केंद्र की विफलता की मुख्य वजह

- **लंबी प्रतीक्षा :** 5 से 6 दिनों तक ट्रैक्टर के साथ सड़कों पर सो रहे किसान।
- **संसाधनों का अभाव :** हमालों की कमी के कारण तुलाई कार्य ठप होने की कगार पर।
- **अनुशासनहीनता :** कर्मचारियों और अधिकारियों के समय पर न आने से बढ़ी समस्या।
- **मौसम का खतरा :** बेमौसम बारिश की आशंका से किसानों में फसल भीगने का डर।

दागी अधिकारी की शाही वापसी और सिस्टम की लाचारी

क्या कलेक्टर की अदालत में होगा इस भ्रष्टाचार का हिसाब?

द्वारकानाथ डेहरिया
कब होगी कार्रवाई?

नेहा मीणा, कलेक्टर, भ्रष्टो को जड़ से उखड फेको महोदया।

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

लोक निर्माण विभाग में दागी अधिकारी द्वारकानाथ डेहरिया की शाही वापसी ने प्रशासनिक गलियारों में भूचाल ला दिया है। जिस अधिकारी पर दहेज हत्या 304बी जैसे संगीन आपराधिक मामले दर्ज हों, उसे क्लीन चिट देने की विभाग की जल्दबाजी ने अब जिला प्रशासन की साख को भी दांव पर लगा दिया है। अब जनता की निगाहें जिला कलेक्टर की ओर मुड़ गई हैं कि क्या वे इस मलाईदार गठजोड़ पर नकेल कसेंगी या यह सिस्टम ऐसे ही भ्रष्टाचार की सीमेंट से मजबूत होता रहेगा?

सूत्रों की मानें तो डेहरिया की कुर्सी की ताकत केवल विभागीय नहीं, बल्कि इसके तार ऊपर बैठे कुछ सफेदपोशों से जुड़े हैं। चर्चा गरम है कि वसूली का नया रेट कार्ड से ठेकेदारों में खौफ है कि पुरानी फाइलों के भुगतान के बदले अब डबल टैक्स वसूला जाएगा। वही देखने में आ रहा है कि जब मामला कोर्ट में विचाराधीन है, तो विभाग ने किस आधार पर सदाचारी होने का सर्टिफिकेट बांट दिया?

कलेक्टर के पाले में गेंद, क्या लेंगी संज्ञान?

जागरूक नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या जिला कलेक्टर इस बेशर्म बहाली पर संज्ञान लेंगी? क्योंकि एक तरफ सरकार जीरो टॉलरेंस की बात करती है, दूसरी तरफ हत्या के आरोपी को मलाईदार कुर्सी पर बिठाकर जनता के टैक्स की होली खेली जा रही है। क्या कलेक्टर महोदया इस वसूली मशीन के प्लग को उखाड़ पाएंगी?

विभागीय मौन या तूफान से पहले की शांति?

जबलपुर से लेकर सिवनी मंडल तक के बड़े अधिकारी फिलहाल वेट एंड वॉच'की स्थिति में हैं। लेकिन जिस तरह से यह मामला गरमाया है, उससे साफ है कि यह सिर्फ एक कर्मचारी की बहाली नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की शुचिता की परीक्षा है।

तेजी से चल रहा जनगणना कार्य, उत्कृष्ट प्रगणकों का हुआ सम्मान

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकानों के सूचीकरण कार्य को जिले में तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों को प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना द्वारा सम्मानित किया गया।

सम्मानित प्रगणकों में सचिन जैन, ईश्वर दयाल वरकडे एवं कमलेश्वर ठाकरे शामिल हैं, जिन्होंने निर्धारित समय से पहले ही अपने-अपने हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर उदाहरण प्रस्तुत किया। सचिन जैन ने मात्र 4 दिनों में 306 भवन एवं 497 मकानों का डाटा संकलित किया। वहीं ईश्वर दयाल वरकडे ने 5 दिनों में 49 भवन एवं 57 मकानों का तथा कमलेश्वर ठाकरे ने 5 दिनों में 76 भवन एवं 91 मकानों का कार्य पूरा किया। इनकी कार्यकुशलता और समर्पण ने जनगणना अभियान को नई गति दी है। घर-घर पहुंचकर आम नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए प्रगणक इस अभियान को जनसहभागिता का स्वरूप दे रहे हैं, जिससे लोगों में भी सहयोग की भावना बढ़ रही है।

शादी समारोह में महिला से लूट करने वाला परिचित गिरफ्तार

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले के कान्हीवाड़ा क्षेत्र के फूटाताल में एक शादी समारोह के दौरान महिला के साथ हुई लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में महिला के एक परिचित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 1 लाख 65 हजार रुपये कीमत के चांदी के जेवर बरामद किए हैं। पकड़ा गया आरोपी संतोष उइके, निवासी ग्राम चिरचिरा, थाना अरी फरियादिया का परिचित ही निकला।

घटना 28 मार्च 2025 की है, जब डूंडासिवनी निवासी सुमंत्रा भांवरे अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने फूटाताल आई थीं। रात के समय जब वे घर के पीछे खेत की ओर गई थीं, तभी अज्ञात आरोपी ने पीछे से हमला कर उनका मुंह दबा दिया और मारपीट करते हुए उनके गले से सोने का मंगलसूत्र, कमर से चांदी की करदौना और पैरों से पायल छीनकर फरार हो गया था। इस हमले में महिला घायल भी हुई थीं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा 309(6) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 5 मई 2026 को आरोपी संतोष उइके को सिवनी से घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया और बताया कि उसने लूटे गए जेवर सिवनी के एक ज्वेलर्स के पास गिरवी रखे थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर 545 ग्राम वजनी चांदी की करदौना और 273 ग्राम चांदी की पायल बरामद की है। इस सफल कार्रवाई में कान्हीवाड़ा थाना प्रभारी संतोष पन्द्रे सहित सायबर सेल और पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

जिला रेडक्रॉस समिति द्वारा वृद्धाश्रम में लगाया नेत्र जांच शिविर

16 वृद्धों ने करायी अपने नेत्रों की जांच

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष सिवनी के मार्गदर्शन में भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, जिला सिवनी द्वारा, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी म.प्र.राज्य शाखा भोपाल से प्राप्त पत्रानुसार, विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिले में रेडक्रॉस सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है इसी तारतम्य में 06 मई 2026 को जिला मुख्यालय के बारापत्थर क्षेत्र में स्थित वृद्धाश्रम में रहने वाले बजुर्गों की आंखों की जांच हेतु शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान नेत्र रोग चिकित्सक डॉं. अनिरुद्ध चंद्रवंशी सहित जिला रेडक्रास समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहें। जांच शिविर में वृद्धाश्रम में 16 वृद्ध महिला- पुरुषों की आंखों की जांच की जाकर आवश्यक चिकित्सा सलाह दी गई तथा आई ड्राप व दवाएं भी उपलब्ध करायी गई।

इस आयोजन के संबंध में बताया गया कि आमजनों की स्वास्थ्य, सेवा को लेकर जिला रेडक्रास समिति लगातार प्रयास कर रही है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार आगे भी आयोजन किये जायेंगे। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर रेडक्रॉस सप्ताह के दौरान रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण, जागरूकता अभियान एवं सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

कुरई थाना प्रभारी की मौन सहमति या वसूली की मजबूरी?

खाकी की नाक के नीचे नशे का पेंच

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

विश्व प्रसिद्ध पेंच नेशनल पार्क जहाँ पर्यटक सुकून की तलाश में आते हैं, अब नशे के सौदागरों और अनैतिक गतिविधियों का सुरक्षित गलियारा बनता जा रहा है। विडंबना देखिए, जिस पुलिस के कंधों पर कानून व्यवस्था का जिम्मा है, वही कुरई थाना प्रभारी कृपाल टेकाम अपनी कुंभकर्णी नींद और महीना वसूली के शोर में जनता की पुकार सुनने से लाचार नजर आ रहे हैं।

क्षेत्र की जनता का कहना है कि कुरई थाना प्रभारी को फोन लगाना किसी तपस्या से कम नहीं है। साहब को फोन उठाने में इतना कष्ट होता है कि शायद ही कभी किसी पीड़ित की घंटी उनके कानों तक पहुँचती हो। सवाल यह है कि क्या यह व्यस्तता अपराध रोकने के लिए है या फिर खास मुलाकातों के लिए समय बचाने की रणनीति?

रंगीन हो रहे रिसॉर्ट, बदरंग हो रहा कानून

पेंच की वादियों में स्थित आलीशान रिसॉर्ट्स में इन दिनों पर्यटन से ज्यादा अनैतिक कार्यों की महक आ रही है। सूत्रों की मानें तो थाना प्रभारी के कारिंदों और उनके तथाकथित मुखबिरों को हर हलचल की खबर है। लेकिन जब जेबें गरम हों, तो आँखों पर पट्टी बंध जाना लाजिमी है।

गोवंश तस्करी का ग्रीन कॉरिडोर

नशे और अय्याशी के साथ-साथ कुरई थाना क्षेत्र अब गोवंश तस्करों के लिए ग्रीन कॉरिडोर बन चुका है। आए दिन सड़कों पर दौड़ते क्रूरता से लदे ट्रक इस बात का प्रमाण हैं कि खाकी का खौफ खत्म हो चुका है। सवाल यह उठता है कि आखिर कुरई थाने की सीमा में घुसते ही इन गाड़ियों को अभयदान कैसे मिल जाता है? क्या थाना प्रभारी कृपाल टेकाम की कार्यप्रणाली केवल वसूली तक सीमित है, या फिर गौमाता के खून से सने इन रुपयों की चमक ने कानून की आँखों पर पर्दा डाल दिया है? जब रक्षक ही भक्षक बनकर महीना फिक्स करने में व्यस्त हों, तो मूक पशुओं की चीखें साहब के बंद कान और बंद फोन तक कैसे पहुँचेंगी? यह चुप्पी सीधे तौर पर मिलीभगत की ओर इशारा कर रही है।

मेनू में सब उपलब्ध : जहरीली शराब से लेकर चरस तक

कुरई थाना क्षेत्र की सीमा के भीतर नशा अब होम डिलीवरी की तर्ज पर उपलब्ध है। जहरीली शराब का कहर हो या अवैध अंग्रेजी और कच्ची शराब की नदियाँ। गांजा और चरस के धुएँ में मदहोश होती युवा पीढ़ी यह सब कुछ थाना प्रभारी की नाक के ठीक नीचे हो रहा है। क्या यह मान लिया जाए कि कानून की वर्दी अब नशे के इन सौदागरों की ढाल बन चुकी है?

वसूली अभियान के आगे खाकी नतमस्तक

क्षेत्र में चर्चा आम है कि थाना प्रभारी का पूरा ध्यान सुरक्षा पर नहीं बल्कि समीक्षा और वसूली पर है। जब हर महीने का कोटा समय पर पहुँच जाए, तो अपराध, अपराधी और अवैध कारोबार सिर्फ फाइलों के आंकड़े बनकर रह जाते हैं। वही जनता का कहना है कि साहब का अगर फोन नहीं उठाना और अपराध नहीं रोकना यदि मक्सद है तो क्या सिर्फ वसूली के लिए ही इस कुर्सी पर विराजे हैं?

// इश्तहार प्रकाशन //

न्यायालय नायब तहसीलदार बंडोल जिला सिवनी (म०प्र०)
रा.प्र.क्र.0261/अ-27/2025-26 मौजा हिनोतिया रा.नि.म. बंडोल

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय नायब तहसीलदार, वृत्त बंडोल, जिला सिवनी (म.प्र.) के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0261/अ-27/2025-26 के अंतर्गत आवेदक दिलीप परिहार, रामसती परिहार एवं शैलकुमारी परिहार सभी आत्मज घनश्याम परिहार निवासी ग्राम हिनोतिया, जिला सिवनी ने ग्राम हिनोतिया प.ह.नं. 08, रा.नि.मं. बंडोल स्थित अपनी पैतृक भूमि खसरा नंबर 331/1, कुल रकवा 1.61 हेक्टेयर के बंटवारे हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूमि वर्तमान में आवेदकों एवं सहखातेदार राजू परिहार पिता घनश्याम परिहार निवासी ठाणे, महाराष्ट्र के संयुक्त नाम पर दर्ज है। अतः इस बंटवारे के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति या हितबद्ध पक्ष को कोई आपत्ति हो, तो वे दिनांक 13/05/2026 को प्रातः 11 बजे न्यायालय नायब तहसीलदार सिवनी वृत्त बंडोल में व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा और प्रकरण में नियमानुसार कानूनी कार्यवाही पूर्ण कर दी जाएगी।

जारी दिनांक 21/04/2026
पेशी दिनांक 13/05/2026

आदेशानुसार
नायब तहसीलदार,
वृत्त बंडोल जिला सिवनी (म.प्र.)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433